**70. श्रद्धापूर्वक कार्य करने के लिए एक लिपिक की गारंटी के लिए एक बन्धपत्र पर वाद**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

**ऊपर नामित वादी निम्नलिखित रूप में सादर निवेदन करता है -**

1. तारीख........... ......... को वादी ने एक लिपिक के रूप में उसके नियोजन में........... ......... को लिया।
2. उसके प्रतिफल में, तारीख ........... ......... को, प्रतिवादी ने वादी के साथ यह करार किया कि यदि ........... ......... को वादी के साथ करार किया, या वादी के उपयोग के लिए उसके द्वारा प्राप्त किये गये सम्पूर्ण धन, ऋण या अन्य सम्पत्तियों के साक्ष्य के लिए वादी को लेखा देने में असफल होना चाहिए तो प्रतिवादी वादी को, जो कुछ हानि हुई उसका संदाय करेगा जिसको ........... ......... रुपये से अनधिक होने वाली उसके आधार पर संघृत नहीं कर सकता था।

या

जिसके प्रतिफल में प्रतिवादी उसी तारीख के उसके बन्धपत्र द्वारा इस शर्त के अध्यधीन रहते हए शास्तिक धनराशि का वादी को संदाय करने में स्वयं को आबद्ध किया कि यदि .................. .................. को वादी का लिपिक या खजान्ची के रूप में उसने कर्तव्यों का श्रद्धापूर्वक अनुपालन करना चाहिए और सम्पूर्ण धनराशि, ऋण का साक्ष्य या अन्य सम्पत्ति के लिए वादी के लेखे को न्यायोचित ठहराना चाहिए जिसको वादी के लिए न्यास में उसके द्वारा धारण किये गये समय पर होना चाहिए; बन्धपत्र को शून्य होना चाहिए।

या

उसके प्रतिफल में, उसी तारीख पर प्रतिवादी ने वादी के पक्ष में एक बन्धपत्र का निष्पादन किया और मूल दस्तावेज इसके साथ उपाबन्ध किया जाता है।

1. तारीख ...... ........................... तथा तारीख .............................. के बीच वादी के उस उपयोग के लिए .................. ....... रुपये के मूल्य के बराबर होने वाली धन एवं अन्य सम्पत्ति प्राप्त की गयी जिसके लिए उसने धनराशि का लेखा नहीं किया है और वह अभी देय एवं अंसदत्त रहती है।
2. वाद हेतुक तारीख .................. को पैदा हुआ जब वादी ने इस न्यायालय की अधिकारिता के अन्दर .................................... द्वारा कारित हुई हानि के लिए वादी की क्षतिपूर्ति करने से इन्कार कर दिया।
3. अधिकारिता के प्रयोजनार्थ वाद की विषय-वस्तु का मूल्य ........... ..................रुपये है और न्यायालय फीस के प्रयोजनार्थ.......................... रुपये है।

**दावाकृत अनुतोषः**

वादी तारीख .................. .................. से .................. ..................प्रतिशत पर ब्याज सहित .............. द्वारा कारित. की गयी नुकसानी के रूप में ...................रुपये का दावा करता है।

वादी

जरिये अधिवक्ता

**सत्यापन**

मैं ऊपर नामित वादी, एतद् द्वारा सत्यापित करता हूँ, कि वादपत्र के पैरा ............. ...... ...... ........... .... .. लगायत .................................. की अन्तर्वस्तु मेरी व्यक्तिगत जानकारी में सत्य है और ................................... पैरा के वे सभी तथा उसका.......... उस विधिक सलाह पर आधारित है। जिसे मैं सत्य होने का विश्वास करता हूँ।

मैं इस दिनांक ....... को सत्यापित किया गया।

वादी